लाल गुब्बारे का रहस्य

एक समझदार दोस्त...
और एक ऐसी सीख जो हर बच्चे को पता होनी चाहिए!

रविवार की एक सुहानी दोपहर थी। रोहन और पीहू पार्क में खेल रहे थे।
पीहू: वाह! आज तो बहुत मज़ा आ रहा है!
तभी... एक चमकदार लाल गुब्बारा हवा में उड़ता हुआ उनके सामने आया।
पीहू: रोहन! देखो... कितना प्यारा गुब्बारा!
पीहू गुब्बारे के पीछे दौड़ पड़ती है। उधर रोहन अपने जूते के फीते बाँधने में व्यस्त होता है।

कुछ ही पल बाद...वह सिर उठाता है... पीहू कहीं दिखाई नहीं देती।
रोहन: अरे...? पीहू... तुम कहाँ हो?
रोहन घबराकर पूरे पार्क में पीहू को ढूँढ़ने लगता है। तभी... उसे पार्क के गेट के पास पीहू एक अनजान अंकल से बात करते हुए दिखाई देती है। अंकल मुस्कुराते हुए कहते हैं—

अजनबी अंकल: चलो... मैं तुम्हें मम्मी के पास ले चलता हूँ।
अजनबी अंकल: बेटा... तुम्हारी मम्मी ने मुझे तुम्हें लेने भेजा है।
पीहू: सच?
अंकल पार्क के बाहर की ओर इशारा करते हैं।

NEVER
TALK TO STRANGERS.
रोहन यह देखकर रुक जाता है... अचानक उसे कुछ याद आता है...

कुछ दिन पहले... स्कूल में पुलिस अंकल बच्चों को सुरक्षा के बारे में बता रहे थे।
पुलिस अंकल: बच्चो, एक बात हमेशा याद रखना।
Naazuk
a community outreach initiative by the Delhi Police
पुलिस अंकल: अगर कोई अजनबी कहे— 'तुम्हारी मम्मी-पापा ने मुझे भेजा है...' तो उसके साथ कभी मत जाना।
रोहन: लेकिन पुलिस अंकल... हमें कैसे पता चलेगा?
पुलिस अंकल: सबसे पहले किसी भरोसेमंद बड़े व्यक्ति—जैसे टीचर, गार्ड या आसपास मौजूद किसी जिम्मेदार बड़े—की मदद लो। और अगर कोई खतरा लगे, तो किसी बड़े से 112 पर कॉल करवाओ।
रोहन की आँखें बड़ी हो जाती हैं।
रोहन (मन में): ओह! पुलिस अंकल की बात सच हो गई!

रोहन दौड़कर पीहू के पास पहुँचता है।
रोहन: पीहू! याद है पुलिस अंकल ने सिखाया था, किसी अजनबी के साथ कभी नहीं जाना!
पीहू तुरंत एक कदम पीछे हट जाती है। अजनबी थोड़ा घबरा जाता है।
रोहन: नहीं! पहले हम किसी जान-पहचान वाले अंकल से मदद लेंगे।
CREAM
दोनों बच्चे जान-पहचान वाले आइसक्रीम वाले और सिक्योरिटी गार्ड के पास भागते हैं।
रोहन: अंकल! हमें आपकी मदद चाहिए!
इतने में अजनबी चुपचाप वहाँ से निकलने लगता है।
उसी समय पार्क में गश्त कर रहे पुलिस अंकल वहाँ पहुँच जाते हैं।
पुलिस अंकल: क्या हुआ बच्चो?
बच्चे पूरी बात बताते हैं। पुलिस अंकल पीहू के माता-पिता से संपर्क करवाते हैं और पीहू को सुरक्षित उनके पास पहुँचाने की व्यवस्था करते हैं।

🌟 समझदार बच्चे हमेशा याद रखते हैं 🌟

- 🛑 किसी भी अजनबी के साथ कभी मत जाएँ न ही खाने-पीने की कोई चीज़ लें
- 👫 अगर कोई आपको असहज महसूस कराए, गलत तरीके से छुए या कोई ऐसी बात कहे जिससे आपको डर लगे, तो तुरंत "नहीं!" कहें और किसी भरोसेमंद बड़े को बताएँ
- 🙋 कोई भी आपसे यह नहीं कह सकता कि ऐसी बात "किसी को मत बताना"। ऐसी हर बात मम्मी-पापा, टीचर या किसी भरोसेमंद बड़े से ज़रूर साझा करें
- 👮 अगर कभी डर लगे, तो ज़ोर से कहें— "मुझे मदद चाहिए!"
- ☎️ ज़रूरत पड़ने पर किसी बड़े से 112 या 1098 पर कॉल करवाएँ!